ओ३म्

अथर्ववेदसंहितायाः ॥

मन्त्राणां

वर्णानुक्रमसूची

अजमेरस्थ वैदिक यन्त्रालये

मुद्रिता

द्वितीयावृत्ति,

सृष्ट्यब्दाः १९७२९४९००११

संवत् १९६७ वि०

ओ३म्

अथर्ववेदसंहितायाः ॥

मन्त्राणां वर्णानुक्रमसूची

अ

पृष्ठांक		कां०	अ०	सू०
१३१	असर्ववीरश्चरतु	९	१	२
४	असितस्यते	१	३	१४
५७	असितस्यतैमात	५	३	१३
६	असितंतेप्रलय	१	५	२३
२७०	असिद्धिवीर	२०	५	५६
२६२	असुन्वामिन्द्र	२०	३	२९
८७	असुराणांदुहिता	६	१०	१००
८८	असुरास्त्वान्यखन	६	११	१०९
८४	असूतिकारामाय	६	९	८३
९२	असोमेस्मरता	६	१२	१२०
२०	असौयासेना	३	१	२
१४	असौयोग्धराद्	२	३	१४
२३०	असौहाइहते	१८	४	४
१८६	असंज्ञागन्धेन	१२	५	५
४३	असंतापेसुतपसौ	४	६	२६
२१२	असंतापंमेहृदय	१६	१	३
२२२	असंबाधेपृथि	१८	२	२
१७४	असंबाधंबध्यतो	१२	१	१
२७६	असूग्रमिन्द्रते	२०	६	१७
२१७	अस्तंयतेनमो	१७	१	१
२८९	अस्ताविमन्मपू	२०	९	११९
२८०	अस्तेवसुमतरं	२०	७	८९
१९१	अस्त्वानीलशिख	११	१	२
७६	अस्थाद्यौरस्थात्	६	५	४४
८३	अस्थाद्यौरस्थात्	६	८	७७
१७१	अस्थिकृत्वासमि	११	४	८
६	अस्थिजस्य	१	५	२३
१८	अस्थिभ्यस्ते	२	६	३३
२८५	अस्थिभ्यस्ते	२०	८	९६
७१	अस्थिस्रंसंपरुः	६	२	१४
१८७	अस्थीन्यस्यपीड	१२	५	५
२६५	अस्माइदुग्ना	२०	४	३५
२६९	अस्माइदुत्यदनु	२०	४	३५
२६५	अस्माइदुत्यमुपमं	२०	४	३५
२६५	अस्माइदुत्वष्टा	२०	४	३५
२६४	अस्माइदुप्रतवसे	२०	४	३५
२६५	अस्माइदुप्रभरा	२०	४	३५
२६४	अस्माइदुप्रय	२०	४	३५
२६५	अस्माइदुसप्तिमि	२०	४	३५
२६९	अस्माइदुस्तोमं	२०	४	३५
२३७	अस्माकमिन्द्रः	१९	२	१३
२७६	अस्मान्त्सुतत्र	२०	६	७१
१२१	अस्मिनिन्द्रो	८	३	५
२४७	अस्मिन्मणावेक	१९	६	४६
१७८	अस्मिन्वयंसंक	१९	२	२
३	अस्मिन्वसु	१	२	९
२७६	अस्मधेहि श्रवो	२०	६	७१
७८	अस्मैक्षत्रमग्नीषो	६	६	५४
१०८	अस्मैक्षत्राणि	७	७	७८
७५	अस्मैग्रामाय	६	४	४०
४२	अस्मैद्यावापृथि	४	५	२२
२५७	अस्मैभीमायनम	२०	२	१५
१२०	अस्मैमणिवर्म	८	३	५
११६	अस्मैमृत्योअधि	८	१	२
३	अस्यदेवाः	१	२	९
२७४	अस्यपीत्वाशत	२०	६	६८
१३९	अस्यवामस्य	९	५	९
२८५	अस्येदिन्द्रो	२०	९	९९

आ

ई

उ

ऊ

ऋ

ए

ऐ

ख

ग

घ

च

छ

ज

त

द

ध

न

प

ब

भ

म

र

ल

व

श

ष

स

ह

क्ष

	मूल्य.	डा.
ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका सजिल्द	२।।)	।)
[illegible] सम्पूर्ण [illegible]	=)।।।	।=)।।
वेदाङ्गप्रकाश का योग:—		
वर्णोच्चारणशिक्षा	)।।।	)।।
सन्धिविषय	।-)	)।।
नामिक	।)	)।।
कारकीय	=)	।।
सामासिक	।)	)।।
स्त्रैणताद्धित	।।=)	-)
अव्ययार्थ	-)।।	)।।
सौवर	-।।	)।।
आख्यातिक	१।)	=...
पारिभाषिक	=)	)।।
धातुपाठ	।)	)।।
गणपाठ	=)	)।।
उणादिकोष	।।)	-)
निघण्टु	।)	)।।
निरुक्त	।।=)	-)।
अष्टाध्यायीमूल	=)।।	)।।
संस्कृतवाक्यप्रबोध	=)	)।।
व्यवहारभानु	=)	)।।
हवनमन्त्र	)।	)।।
भ्रमोच्छेदन	)।।।	)।।
अनुभ्रमोच्छेदन	)।।।	)।।
शास्त्रार्थ मेला चांदापुर नागरी	-)	)।।
शास्त्रार्थ मेला चांदापुर उर्दू	-)	)।।
शास्त्रार्थ काशी	)।।।	)।।
शास्त्रार्थ फीरोज़ाबाद	-)।।	)।।
वेदविरुद्धमतखण्डन	=)	।।

	मूल्य.	डा.
वेदान्तिध्वान्तनिवारण नागरी	)।।।	)।।
वेदान्तिध्वान्तनिवारण अङ्गरेज़ी	-)	।।
आर्योद्देश्यरत्नमाला नागरी	)।	)।।
आर्योद्देश्यरत्नमाला मरहटी	-)	)।।
गोकरुणानिधि	-)	)।।
स्वामीनारायणमतखं० संस्कृत गुज.	-।।	)।।
स्वामीनारायणमतखं० नागरी	-)।।	)।।
स्वमन्तव्यामन्तव्यप्रकाश नागरी	)।	)।।
स्वमन्तव्यामन्तव्यप्रकाश अङ्गरेज़ी	)।	)।।
आर्याभिविनय गुटका	=)	)।।
आर्याभिविनय सजिल्द	।-)	-)
आर्याभिविनय मोटे अक्षरों की	।=)	=)
भ्रान्तिनिवारण	-)	)।।
पञ्चमहायज्ञविधि	-)।।	।।
पञ्चमहायज्ञविधि साधारण जिल्द	=)।।	।।
पञ्चमहायज्ञविधि बढ़िया	=)	)।।
आर्य्यसमाज के नियमोपनियम	)।	)।।
सत्यार्थप्रकाश साधा० कागज़ नागरी	१)	।)
सत्यार्थप्रकाश साधा० सजिल्द ,,	१।)	।-)
सत्यार्थप्रकाश बढ़िया ,,	१।।)	।-)
सत्यार्थप्रकाश बढ़िया सजिल्द ,,	२।)	।=)
सत्यार्थप्रकाश बङ्ग भाषा में	१)	
संस्कारविधि	।।)	=)
संस्कारविधि सजिल्द	१)	=)
स्वीकारपत्र	)।	)।।

आर्य्यसमाज के नियम नागरी में एक प्रकार की स्याही में =)।। सैकड़ा, रङ्ग बिरङ्गी स्याही में तथा सुनहरी ८) सैकड़ा, अङ्गरेज़ी में सफ़ेद कागज़ पर ।) सैकड़ा ॥

वैदिक पुस्तकालय अजमेर की विक्रय पुस्तकों का सूचीपत्र व

बेचने के संक्षिप्त नियम ॥



(१) सब पुस्तकें रोक दाम पेशगी भेजने पर या वी. पी. द्वारा भेजी जावेंगी (२) मूलवेदों पर (जिल्द की कीमत व सुनहरी वेदों को छोड़) २ सेट पर २०) २१ पर २२) और १००) पर ३०) सैकड़ा और शेष सब पुस्तकों पर १०) रुपये वा इस से अधिक के पुस्तक मंगवानेवालों को २०) सैकड़े के हिसाब से कमीशन दिया जायगा अर्थात् ८) में १०) की पुस्तकें, १००) रोक भेजने पर १२२) की पुस्तकें भेजी जावेंगी (३) महसूल सब पुस्तकों का अलग लिया जावेगा (४) बिके हुए पुस्तक वापिस न लिये जावेंगे (५) मूल्य आदि भेजने तथा बड़ा सूचीपत्र मंगवाने के लिये नीचे लिखे पते से पत्र व्यवहार करें ॥

	मूल्य.	डा.
ऋग्वेदभाष्य पहले मंडल से सातवें मंडल के पांचवें अष्टक के पांचवें अध्याय से तीसरे वर्ग के दूसरे मंत्र तक कागज	१०)	≈
कमीशन २०) सैकड़ा दिया जावेगा		
नोट फुटकर अंक नहीं बेचे जावेंगे		
ऋग्वेद का आगे का शेष मूल भाग	१)	
ऋग्वेदभाष्य का नमूना	)॥	)॥

	मूल्य	डा.
यजुर्वेदभाष्य सम्पूर्ण	१०)	
कमीशन २०) सैकड़े से दिया जावेगा		
नोट—फुटकर नहीं बेचे जावेंगे		
चारों मूलवेदः—		
बढ़िया कागज पर स्वर्णाक्षरों में ८)		
बढ़िया कागज पर बिना जिल्द ५॥)		
साधारण कागज पर बिना जिल्द ५)		
बढ़िया जिल्द के २) अलग		
चारों वेदों की अनुक्रमणिका	१॥)	≡)॥
शतपथ ब्राह्मण सम्पूर्ण	४)	।)
ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका	१।)	≡)